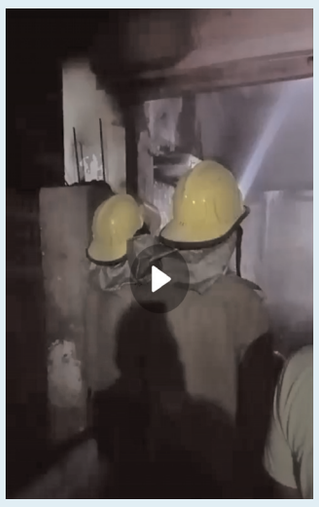
खबर-खास

क्षमापुर में किराना दुकान आग की चपेट में, दमकल टीम ने टाला बड़ा हादसा

समय रहते आग पर पाया काबू, आसपास की दो दुकानें सुरक्षित



ओमप्रकाश रजक/जनता के गोठ

जगदलपुर, । बकावंड थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम क्षमापुर में रविवार को एक किराना दुकान में अचानक भीषण आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आग की लपटें और धुएं का गुबार उठता देख ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। घटना प्रार्थी यशवंत सिंह की किराना दुकान में हुई। प्रत्यक्ष जानकारी के अनुसार, दुकान में अचानक आग लगने से देखते ही देखते लपटें तेज हो गईं। घटना की जानकारी मिलते ही दमकल विभाग को सूचना दी गई। सूचना प्राप्त होते ही जिले से फायर ब्रिगेड की टीम तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना हुई। मौके पर पहुंचकर दमकल कर्मियों ने आग बुझाने का अभियान शुरू किया और काफी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। दमकल विभाग की तत्परता और कर्मचारियों की सूझबूझ से आग को आसपास की दुकानों तक फैलने से रोक लिया गया। इसके चलते दुकान से लगी दो अन्य दुकानें आग की चपेट में आने से बच गईं और एक बड़ा हादसा टल गया। घटना के दौरान दमकल कर्मियों ने तेजी से मोर्चा संभालते हुए आग को नियंत्रित किया। उनकी समय पर की गई कार्रवाई से आसपास के दुकानदारों और ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। ग्रामीणों ने दमकल विभाग की टीम की सराहना करते हुए कहा कि यदि समय पर फायर ब्रिगेड नहीं पहुंचती तो आग आसपास की दुकानों को भी अपनी चपेट में ले सकती थी। फिलहाल आग लगने के कारण और दुकान में हुए नुकसान का विस्तृत आकलन संबंधित स्तर पर किया जाना शेष है।

मां पर कुदाली से जानलेवा हमला, आरोपी बेटा गिरफ्तार; न्यायिक रिमांड पर भेजा गया जेल



घरेलू विवाद बना खूनी संघर्ष का कारण

रोहित यादव / बलरामपुर (जनता के गोठ) : बलरामपुर जिले के कुसमी थाना क्षेत्र में घरेलू विवाद के दौरान एक बेटे द्वारा अपनी ही मां पर कुदाली से जानलेवा हमला करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। घर में लिपाई-पोताई कर रही 55 वर्षीय मां पर उसके पुत्र ने जान से मारने की नीयत से छोटे कुदाली (कुदरा) से सिर पर दो-तीन वार कर दिए। हमले में महिला बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़ी। मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए कुसमी पुलिस ने आरोपी पुत्र को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार घटना 31 अक्टूबर 2026 को ग्राम डायनटोली की है। गांव निवासी बिफ्ती उरांव (55 वर्ष) अपने घर में लिपाई-पोताई का काम कर रही थीं। इसी दौरान किसी घरेलू बात को लेकर उनके पुत्र गोविन्द बेक (28 वर्ष) से विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि आरोपी ने घर में रखे छोटे कुदाली से अपनी मां के सिर पर लगातार दो-तीन वार कर दिए। हमले के बाद महिला बेहोश होकर गिर गई। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों की मदद से डायल 112 के माध्यम से घायल महिला को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुसमी पहुंचाया गया, जहां उन्हें उपचार के लिए भर्ती कराया गया। पीड़िता की रिपोर्ट पर कुसमी पुलिस ने अपराध क्रमांक 99/2026 के तहत धारा 109(1) बीएनएस में मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की। विवेचना के दौरान एफएसएल सीन ऑफ क्राइम यूनिट की टीम के साथ घटनास्थल का निरीक्षण किया गया। पुलिस ने मौके से खून लगी मिट्टी एवं साधारण मिट्टी जब्त की। वहीं आरोपी के कथन के आधार पर घटना में प्रयुक्त कुदाली भी बरामद की गई। पुलिस ने आरोपी गोविन्द बेक (28 वर्ष), पिता स्व. मंगल बेक, निवासी रामनगर, थाना कुसमी, जिला बलरामपुर-रामानुजगंज को गिरफ्तार कर 1 नवंबर 2026 को न्यायालय के समक्ष पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। घरेलू विवाद में मां पर हुए इस जानलेवा हमले ने क्षेत्र में चिंता पैदा कर दी है।

सरदार पटेल की जयंती पर पाटन पुलिस ने प्राथमिक शाला चंगोरी में मनाया राष्ट्रीय एकता दिवस





एकता परेड में पुलिस जवानों के साथ कदमताल करते नजर आए स्कूली बच्चे

अनुशासन और देशभक्ति के साथ दिया राष्ट्रीय एकता, अखंडता व भाईचारे का संदेश

लौह पुरुष के ऐतिहासिक योगदान को याद कर बच्चों ने लिया एकजुटता का संकल्प

अंचल वर्मा - जनता के गोठ।

दुर्ग/ पाटन - देश की एकता और अखंडता के प्रतीक लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर पाटन पुलिस द्वारा प्राथमिक शाला चंगोरी में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों, जवानों और स्कूली बच्चों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लेकर राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया। इस दौरान आयोजित एकता परेड में पुलिस जवानों के साथ स्कूली बच्चे कदमताल करते नजर आए।

बच्चों की अनुशासित सहभागिता और देशभक्ति के जज्बे ने आयोजन को खास बना दिया।

कार्यक्रम की शुरुआत सरदार वल्लभभाई पटेल के छायाचित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें माल्यार्पण और नमन करने के साथ हुई। इसके पश्चात एकता परेड का आयोजन किया गया, जिसमें पुलिस जवानों और विद्यार्थियों ने एक साथ कदम मिलाकर देश की एकता, अखंडता और सामाजिक समरसता बनाए रखने का संकल्प लिया।

पूरे आयोजन के दौरान देशभक्ति और उत्साह का माहौल देखने को मिला।

रियासतों को एक सूत्र में पिरोकर बनाया अखंड भारत

इस अवसर पर सरदार वल्लभभाई पटेल के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को याद करते हुए उनके ऐतिहासिक योगदान पर प्रकाश डाला गया। आजादी के बाद देश के सामने सबसे बड़ी चुनौती विभिन्न देशी रियासतों को एकजुट कर मजबूत राष्ट्र का निर्माण करना था। ऐसे चुनौतीपूर्ण दौर में सरदार पटेल ने अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति, दूरदर्शिता और कुशल नेतृत्व से रियासतों के एकीकरण में ऐतिहासिक भूमिका निभाई। उनके प्रयासों ने भारत की एकता और अखंडता को नई मजबूती प्रदान की। यही वजह है कि उन्हें लौह पुरुष के नाम से जाना जाता है।

बच्चों को बताया राष्ट्रीय एकता और अनुशासन का महत्व

पाटन पुलिस द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य केवल जयंती मनाना नहीं, बल्कि नई पीढ़ी को देश के महापुरुषों के जीवन, संघर्ष और आदर्शों से परिचित कराना भी रहा। बच्चों को बताया गया कि किसी भी राष्ट्र की असली ताकत उसके नागरिकों की एकजुटता, आपसी विश्वास, सहयोग और भाईचारे में निहित होती है। जाति, धर्म, भाषा और क्षेत्र से ऊपर उठकर राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। पुलिस जवानों के साथ बच्चों की संयुक्त परेड ने यह संदेश दिया कि राष्ट्रीय एकता की भावना बचपन से ही विकसित की जानी चाहिए। अनुशासन, जिम्मेदारी, सामाजिक समरसता और देश के प्रति सम्मान जैसे मूल्यों को अपनाकर ही एक सशक्त और संगठित राष्ट्र का निर्माण किया जा सकता है।

पुलिस और समाज के बीच विश्वास बढ़ाने की पहल

पाटन पुलिस की इस पहल को पुलिस और आम नागरिकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। विद्यालय स्तर पर ऐसे आयोजन बच्चों को पुलिस की कार्यप्रणाली, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारियों से परिचित कराने के साथ उनके मन में सकारात्मक सोच विकसित करने में सहायक होते हैं।

एकता परेड के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि राष्ट्रीय एकता किसी एक व्यक्ति, संस्था या संगठन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि देश के प्रत्येक नागरिक का सामूहिक दायित्व है। सरदार पटेल के आदर्शों को आत्मसात करते हुए देश की एकता, अखंडता और सामाजिक सौहार्द बनाए रखने का संकल्प ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि है। इस तरह प्राथमिक शाला चंगोरी में पाटन पुलिस द्वारा आयोजित राष्ट्रीय एकता दिवस का कार्यक्रम उत्साह, अनुशासन और देशभक्ति के वातावरण में संपन्न हुआ। पुलिस जवानों के साथ कदमताल करते स्कूली बच्चों ने यह संदेश दिया कि एक मजबूत भारत की नींव एकता, भाईचारे और आपसी सद्भाव से ही रखी जा सकती है।

गांव की शिक्षा व्यवस्था में बढ़ेगी समुदाय की भागीदारी, बदलाव दीदियों को मिला विशेष प्रशिक्षण

माता समिति गठन से लेकर हर घर में बच्चों के लिए शिक्षा का कोना बनाने तक लिया गया संकल्प



भुजबल बघेल

बकावंड जनता के गोठ।बस्तर जिले के विकासखंड बकावंड ब्लॉक के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने और बच्चों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बकावंड विकासखंड के जैबेल एवं बकावंड क्लस्टर में बिहान एवं ट्रांसफॉर्मिंग रूरल इंडिया (TRI) के संयुक्त तत्वावधान में दो-दो दिवसीय गैर-आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें शिक्षा बदलाव (Education Change Vector-ECV) दीदियों को विशेष प्रशिक्षण देकर ग्राम पंचायत स्तर पर शिक्षा के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए तैयार किया गया। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य बदलाव दीदियों की क्षमता का विकास करना, शिक्षा के प्रति सामुदायिक जागरूकता बढ़ाना तथा ग्रामीण शिक्षा व्यवस्था में स्थानीय समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित करना था। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को विद्यालय, ग्राम पंचायत एवं ग्राम संगठन (VO) की शिक्षा व्यवस्था में भूमिका, जिम्मेदारियों और आपसी समन्वय के महत्व की जानकारी दी गई। दो दिवसीय प्रशिक्षण में इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि समुदाय की सक्रिय भागीदारी से विद्यालयों में बच्चों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने, सीखने के लिए बेहतर वातावरण तैयार करने तथा स्कूल छोड़ने वाले बच्चों (ड्रॉपआउट) की संख्या कम करने में मदद मिल सकती है। प्रशिक्षण के समापन अवसर पर सभी बदलाव दीदियों ने अपने-अपने गांवों में शिक्षा के क्षेत्र में सामुदायिक नेतृत्व को मजबूत करने का संकल्प लिया। इसके तहत गांवों में माता समिति का गठन करने तथा इस पहल को प्रत्येक ग्राम पंचायत तक पहुंचाने पर सहमति बनी। साथ ही विद्यालय प्रबंधन समिति (स्कूल) के गठन एवं प्रभावी क्रियान्वयन में सक्रिय भागीदारी निभाने और विद्यालयों की शैक्षणिक गतिविधियों को बेहतर बनाने में सहयोग करने की प्रतिबद्धता जताई।

हर घर में बनेगा बच्चों के लिए शिक्षा का विशेष कोना- प्रशिक्षण के दौरान एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में प्रत्येक घर में बच्चों की पढ़ाई के लिए विशेष शिक्षा कोना बनाने का संकल्प लिया गया। इसका उद्देश्य बच्चों को घर पर पढ़ाई के लिए अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराना, उनमें नियमित अध्ययन की आदत विकसित करना और अभिभावकों को बच्चों की शिक्षा के प्रति जागरूक एवं सहभागी बनाना है। इस पहल के माध्यम से शिक्षा को केवल विद्यालय तक सीमित न रखते हुए विद्यालय, परिवार, ग्राम पंचायत और पूरे समुदाय की साझा जिम्मेदारी बनाने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का अवसर मिले और कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। एसबीआई फाउंडेशन के सहयोग एवं ट्रांसफॉर्मिंग रूरल इंडिया (टीआर आई) के मार्गदर्शन में आयोजित यह प्रशिक्षण कार्यक्रम बकावंड विकासखंड में समुदाय आधारित शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

सेजेस बकावंड के आईटी विद्यार्थियों ने किया आईटीआई का औद्योगिक भ्रमण



HTML, पावरपॉइंट, DBMS, जीमेल एवं इंटरनेट की कार्यप्रणाली की ली जानकारी

भुजबल बघेल

बकावंड जनता के गोठ। शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक (सेजेस) विद्यालय बकावंड में संचालित व्यावसायिक पाठ्यक्रम के अंतर्गत कक्षा 9वीं से 12वीं तक के आईटी (IT) विषय के विद्यार्थियों को औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (ITI) का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। इस दौरान विद्यार्थियों ने संस्थान में संचालित विभिन्न तकनीकी गतिविधियों एवं कंप्यूटर से संबंधित कार्यों की जानकारी प्राप्त की। औद्योगिक भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को HTML, पावरपॉइंट, DBMS, जीमेल एवं इंटरनेट सहित विभिन्न डिजिटल तकनीकों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। विद्यार्थियों ने इन तकनीकों की कार्यप्रणाली को समझा और व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त किया। इस शैक्षणिक भ्रमण का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान के साथ-साथ तकनीकी एवं व्यावहारिक जानकारी प्रदान करना तथा उन्हें आधुनिक डिजिटल तकनीकों से परिचित कराना था। इस अवसर पर आईटीआई के COPA ट्रेनर राहुल साहू एवं डेविड पाण्डेय, विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती अनीता मिंज, व्यावसायिक आईटी प्रशिक्षिका निमिता साहू, हेल्थ केयर प्रशिक्षक अक्षय कुमार बंजारे, कुलदीप खांडेकर एवं मुकेश सिंह उपस्थित रहे।

स्कॉर्पियो में क्रूरतापूर्वक बांधकर ले जाए जा रहे थे मवेशी, कुसमी पुलिस ने आरोपी को दबोचा

दो मवेशियों के साथ स्कॉर्पियो वाहन जब्त, शंकरगढ़ से झारखंड के गुमला ले जाने की थी तैयारी; आरोपी गिरफ्तार कर भेजा गया जेल



रोहित यादव / बलरामपुर (जनता के गोठ) : मवेशियों के अवैध एवं क्रूरतापूर्ण परिवहन के खिलाफ कुसमी पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी सफेद रंग की स्कॉर्पियो में दो मवेशियों को चारों पैर और मुंह बांधकर बेरहमी से भरकर झारखंड के गुमला ले जा रहा था। पुलिस ने मौके से दोनों मवेशियों के साथ परिवहन में प्रयुक्त स्कॉर्पियो वाहन भी जब्त कर लिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 1 नवंबर 2026 को थाना कुसमी क्षेत्र के कुम्हारपारा में मुखबिर से सूचना मिली कि एक सफेद स्कॉर्पियो में मवेशियों का क्रूरतापूर्वक परिवहन किया जा रहा है। सूचना मिलने पर प्रार्थी सी.जे. कुमार प्रजापति अपने साथियों के साथ मौके पर पहुंचे। उन्हें देखकर वाहन चालक भागने का प्रयास करने लगा, लेकिन उसे पकड़ लिया गया। पूछताछ में चालक की पहचान तस्लीम खान (28 वर्ष), निवासी साई टांगरटोली, थाना लोदाम, जिला जशपुर के रूप में हुई। स्कॉर्पियो की तलाशी लेने पर उसमें दो मवेशी चारों पैर और मुंह बंधी अवस्था में मिले। पूछताछ में आरोपी ने मवेशियों को शंकरगढ़ क्षेत्र से खरीदकर झारखंड के गुमला ले जाना बताया। मामले में कुसमी पुलिस ने अपराध क्रमांक 100/2026 के तहत छत्तीसगढ़ कृषिक पशु परिरक्षण अधिनियम 2011 की धारा 4, 6 एवं 10 तथा पशु क्रूरता निवारण अधिनियम की धारा 11(घ) के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की। पुलिस ने प्रार्थी एवं गवाहों के बयान दर्ज करने के साथ दो मवेशियों और स्कॉर्पियो वाहन को जब्त किया। कार्रवाई के दौरान आरोपी तस्लीम खान को 1 नवंबर 2026 को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। कुसमी पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में मवेशियों के क्रूरतापूर्ण परिवहन के मामलों पर सख्ती का संदेश गया है।

बाढ़ पीड़ितों के हक के लिए 5 नवंबर को जगदलपुर में आंदोलन, 1,000 करोड़ के राहत पैकेज की मांग

नवनीत चाँद बोलेङ्क वास्तविक नुकसान का सर्वे कराकर पीड़ितों को उचित मुआवजा दे सरकार, 30 दिन का अल्टीमेटम



ओमप्रकाश रजक/जनता के गोठ जगदलपुर। बस्तर में आई भीषण बाढ़ से प्रभावित परिवारों को पर्याप्त मुआवजा और किसानों को राहत दिलाने की मांग को लेकर जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) एवं बस्तर अधिकार मुक्ति मोर्चा ने 5 नवंबर को जगदलपुर में धरना एवं पैदल मार्च करने का ऐलान किया है।

जनता दरबार में आयोजित बैठक में जिला प्रभारी रामनाथ नेगी की अध्यक्षता तथा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं मुख्य संयोजक नवनीत चाँद के नेतृत्व में बाढ़ प्रभावित गांवों और नगरीय वार्डों के प्रतिनिधियों ने अपनी समस्याएं रखीं। बैठक में ग्रामीण जिला अध्यक्ष संतु कश्यप एवं जगदलपुर विधानसभा अध्यक्ष ओम मरकाम भी मौजूद रहे। संगठन ने मांग की है कि पूर्ण क्षतिग्रस्त मकानों पर न्यूनतम 5 लाख और आंशिक क्षति पर 1 लाख रुपये मुआवजा दिया जाए। बर्बाद फसलों के लिए कृषि ऋण माफी अथवा 62 हजार रुपये प्रति एकड़ सहायता तथा बस्तर के लिए 1,000 करोड़ रुपये का विशेष राहत एवं पुनर्वास पैकेज स्वीकृत किया जाए।

इसके अलावा बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का निष्पक्ष पुनः सर्वेक्षण, मृतकों के परिजनों को 25 लाख रुपये सहायता, प्रभावित परिवारों का पुनर्वास तथा ओडिशा के खाटीगुड़ा बांध से जलप्रवाह और प्रशासनिक आपदा प्रबंधन व्यवस्था की जांच की मांग उठाई गई है।

5 नवंबर को प्रभावित परिवार अपने वास्तविक नुकसान के आवेदन लेकर कलेक्ट्रेट एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष कार्यालय पहुंचेंगे और ज्ञापन सौंपेंगे।

नवनीत चाँद ने कहा कि बाढ़ पीड़ितों को कागजी सर्वेक्षण नहीं, बल्कि वास्तविक नुकसान के आधार पर मुआवजा चाहिए। सरकार को 30 दिन का समय दिया जाएगा। मांगें पूरी नहीं होने पर गांवों और वार्डों को जोड़कर चरणबद्ध जनआंदोलन किया जाएगा।